बी.ए.भाग २ मराठी वाङ्मय
सत्र ३

१) निवडक मराठी कथा (संपादित)

अ.क्र.	कथाकार	कथा
१	द.मा. मिरासदार	माझ्या बापाची पेंड
२	शंकर पाटील	देशी उपाय
३	व्यंकटेश माडगुळकर	रामा मैलकुली
४	उद्धव शेळके	माय
५	वामन होवाळ	मजल्याचं घर
६	गंगाधर गाडगीळ	किडलेली माणसे
७	जयंत नारळीकर	ट्रॉयचा घोडा
८	कमल देसाई	माणसाची गोष्ट
९	वा.कृ. चोरघडे	संस्कार
१०	राजन गवस	हुंदका

२) संत तुकारामांचे निवडक अभंग - संपादक - आ. ह. साळुंखे, लोकायत प्रकाशन, सातारा,

बी.ए.भाग २ मराठी वाङ्मय
सत्र ४

१) आत्मकथन - आठवणीचे पक्षी - प्र.ई.सोनकांबळे, चेतना प्रकाशन

२) लीळा चरित्रातील निवडक कथा - संपादक राजेंद्र राऊत, मेधा पब्लिशिंग हाऊस, अमरावती - ६

*****

Appendix-C

बी.ए. द्वितीय वर्ष (अनिवार्य हिन्दी)

तृतीय सत्र

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80
आंतरिक मूल्यांकन 20

नियोजित पाठ्यपुस्तक **'आभा'** राघव पब्लिशर्स ॲन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नागपुर । यह पुस्तक अध्ययन तथा अध्यापन के लिए निर्धारित की गई है । यह पुस्तक तृतीय तथा चतुर्थ सत्र के लिए निर्धारित की गई है ।

१. प्रथम इकाई –गद्य विभाग (1 से 6 पाठ)

२. द्वितीय इकाई –पद्य विभाग (1 से 6 कविता)

३. तृतीय इकाई –व्यावहारिक भाषा और हिन्दी

I. पल्लवन
II. संक्षेपण

४. चतुर्थ इकाई –सामान्य भाषायी ज्ञान

I. समश्रुत भिन्नार्थक शब्द
II. समानार्थी शब्दों में सूक्ष्म अंतर
III. एक शब्द और विभिन्न प्रयोग
IV. अन्वय
V. संधि
VI. समास
VII. पदान्वय
VIII. विग्रह

५. **पाँचवी इकाई** – संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरी प्रश्न

अंक विभाजन एवं प्रश्नपत्र का स्वरूप (तृतीय सत्र)

समय 3 घंटे

पूर्णांक-80

प्रश्न क्र. 1अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक) प्रथम इकाई से **(1 x 8 = 8 अंक)**

आ) लघुत्तरी प्रश्न (दो) प्रथम इकाई से **(2 x4 = 8 अंक)**

प्रश्न क्र. 2) दो कविताओं का केन्द्रीय भाव द्वितीय इकाई से **(2 x 8 = 16)**

प्रश्न क्र. 3) अ) पल्लवन - 8 अंक

आ) संक्षेपण -8 अंक

प्रश्न क्र. 4) सामान्य भाषायी ज्ञान

I.	समश्रुत भिन्नार्थक शब्द-	2 अंक
II.	समानार्थी शब्दों में सूक्ष्म अंतर-	2 अंक
III.	एक शब्द और विभिन्न प्रयोग -	2 अंक
IV.	अन्वय -	2 अंक
V.	पदान्वय -	2 अंक
VI.	संधि -	2 अंक
VII.	समास-	2 अंक
VIII.	विग्रह -	2 अंक

प्रश्न क्र. 5) संपूर्ण पाठ्यक्रम से (वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी) 16 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक होगा । **(1 x 16 = 16 अंक)**

सूचना :-1) इकाई एक, दो, तीन एवं चार से सभी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

2) इकाई एक में जिन पाठों से दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे उनसे लघुत्तरी प्रश्न न पूछे जायें ।

आतंरिक मूल्यांकन :- कुल अंक 20

I. साक्षात्कार (लेखक/पत्रकार/कृषक/ प्राध्यापक/नाटककार/पुलिस/ नेता/कामकाजी महिला)-10 अंक

II. विभागीय गतिविधियों में सहभागिता-05 अंक

III. भित्तीपत्रक निर्मिती- 05 अंक

बी. ए. द्वितीय वर्ष (अनिवार्य हिन्दी)

चतुर्थ सत्र

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80
आंतरिक मूल्यांकन 20

नियोजित पाठ्यपुस्तक **'आभा'** राघव पब्लिशर्स ॲन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नागपुर । यह पुस्तक अध्ययन तथा अध्यापन के लिए निर्धारित की गई है । संपूर्ण पाठ्यक्रम पाँच इकाईयों में विभाजित है ।

1) **प्रथम इकाई-गद्य विभाग (7 से 12 पाठ)**

2) **द्वितीय इकाई-पद्य विभाग (7 से 12 कविता)**

3) **तृतीय इकाई- व्यावहारिक भाषा और हिन्दी**

I. विज्ञापन लेखन

II. वृतांत लेखन

4) चतुर्थ इकाई-सामान्य भाषायी ज्ञान

I. पदनाम

II. पारिभाषिक शब्दावली

III. समूहार्थक शब्द

IV. ध्वन्यात्मक शब्द

V. सम्मानसूचक शब्द

VI. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

VII. वाक्य परिवर्तन

VIII. हिन्दी और मराठी में प्रयुक्त समान शब्दों में अंतर

5) **इकाई पाँच**- संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरी प्रश्न

अंक विभाजन एवं प्रश्नपत्र का स्वरूप (चतुर्थ सत्र)

समय 3 घंटे

पूर्णांक-80

प्रश्न क्र. 1अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक) प्रथम इकाई से **(1 x 8 = 8 अंक)**

आ) लघुत्तरी प्रश्न (दो) प्रथम इकाई से **(2 x 4 = 8 अंक)**

प्रश्न क्र. 2) दो कविताओं का केन्द्रीय भाव द्वितीय इकाई से **(2 x 8 = 16)**

प्रश्न क्र. 3) व्यावहारिक भाषा और हिन्दी

I. विज्ञापन लेखन - **8 अंक**

II. वृतांत लेखन - **8 अंक**

प्रश्न क्र. 4) सामान्य भाषायी ज्ञान

I. पदनाम-	**2 अंक**
II. पारिभाषिक शब्दावली-	**2 अंक**
III. समूहार्थक शब्द -	**2 अंक**
IV. ध्वन्यात्मक शब्द-	**2 अंक**
V. सम्मानसूचक शब्द-	**2 अंक**
VI. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द	**2 अंक**
VII. वाक्य परिवर्तन	**2 अंक**
VIII. हिन्दी और मराठी में प्रयुक्त समान शब्दों में अंतर-	**2 अंक**

प्रश्न क्र. 5) संपूर्ण पाठ्यक्रम से (वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी) 16 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक होगा । **(1 x 16 = 16 अंक)**

सूचना :-1) इकाई एक, दो, तीन एवं चार से सभी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

3) इकाई एक में जिन पाठों से दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जायेंगे उनसे लघुत्तरी प्रश्न न पूछे जायें ।

आतंरिक मूल्यांकन :- कुल अंक 20

I. निबंध परियोजना (हिन्दी का महत्त्व/हिन्दी की दशा और दिशा/तकनीकी हिन्दी/वैश्वीकरण और हिन्दी) - **10 अंक**

II. श्रवण कौशल-05 **अंक**

III. आशु भाषण कौशल-05 **अंक**

*****

बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रयोजनमूलक हिन्दी

तृतीय सत्र

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80
आंतरिक मूल्यांकन 20

1) इकाई 1 हिन्दी के प्रयोजनमूलक भाषारूप, विशेषताएँ, विविधरूप :-

I. वैज्ञानिक और तकनीकी हिन्दी
II. प्रशासनिक और कार्यालयी हिन्दी
III. विधि की हिन्दी
IV. वाणिज्य और व्यावसायिक हिन्दी
V. जनसंचार माध्यमों की हिन्दी

2) इकाई 2जनसंचार माध्यम : स्वरूप एवं भेद

- जनसंचार :- अर्थ, परिभाषा, जनसंचार प्रक्रिया का स्वरूप
- जनसंचार माध्यम :- विभिन्न रूप
  - I. परंपरागत जनसंचार माध्यम
  - II. आधुनिक जनसंचार माध्यम
  - III. जनसंचार माध्यमों की भाषा

3) इकाई 3 समाचार लेखन :

सिद्धान्त और व्यवहार :- समाचार से तात्पर्य, परिभाषा

समाचार : स्वरूपगत विशेषताएँ और लक्षण, समाचार के भेद, समाचार- लेखन प्रविधि ।

अंक विभाजन एवं प्रश्नपत्र का स्वरूप (तृतीय सत्र)

समय 3 घंटे **पूर्णांक-80**

प्रश्न क्र. 1इकाई एक से (दो) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।(2 x 8 =16)
प्रश्न क्र. 2 इकाई दो से (दो) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।2 x 8 =16)
प्रश्न क्र. 3इकाई तीन से (दो) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।(2 x 8 =16)
प्रश्न क्र. 4 इकाई एक, दो और तीन से (चार) लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे । (4x4=16)
प्रश्न क्र. 5 संपूर्ण पाठ्यक्रम से वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी)16 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक होगा । **(1 x 16 = 16 अंक)**

आतंरिक मूल्यांकन :- कुल अंक 20

I. विभागीय गतिविधियों में सहभागिता- 05 **अंक**
II. समाचार लेखन- 05 **अंक**
III. जनसंचार माध्यमों में प्रकाशित विभिन्न हिन्दी समाचारों का संकलन- 05 **अंक**
IV. प्रयोजनमूलक हिन्दी पर भित्तीपत्रक निर्मिती- 05 **अंक**

बी.ए. द्वितीय वर्ष प्रयोजनमूलक हिन्दी

चतुर्थ सत्र

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80
आंतरिक मूल्यांकन 20

1) इकाई 1 कार्यालयी कार्यविधिकी भाषा :-

क) प्रशासन व्यवस्था एवं कार्यालय संगठन

I. केन्द्रीय शासन
II. राज्य शासन

2) **इकाई 2सरकारी पत्राचार** : सिद्धान्त और व्यवहार

- सरकारी पत्राचार से तात्पर्य, सरकारी पत्राचार की सामान्य विशेषताएँ
- सरकारी पत्राचार :- विभिन्न रूप और स्वरूप

I. सरकारी पत्र

II. अर्धसरकारी पत्र

III. सरकारी पत्र के अन्य रूप

3) **इकाई 3 विज्ञापन लेखन** :- सिद्धान्त और व्यवहार

विज्ञापन :-अर्थ एवं परिभाषा, विज्ञापन की स्वरूपगत विशेषताएँ, विज्ञापन लेखक का दायित्व, विज्ञापन लेखन प्रक्रिया एवं प्रविधि, विज्ञापन संरचना और उसके अंग,विज्ञापन की भाषा,विज्ञापनीय भाषा की विशेषताएँ, विज्ञापन के प्रकार

अंक विभाजन एवं प्रश्नपत्र का स्वरूप (चतुर्थ सत्र)

समय 3 घंटे **पूर्णांक-80**

प्रश्न क्र. 1 इकाई एक से (दो) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे । (2 x 8 =16)
प्रश्न क्र. 2 इकाई दो से (दो) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे । (2 x 8 =16)
प्रश्न क्र. 3इकाई तीन से (दो) दीर्घोत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे । (2 x 8 =16)
प्रश्न क्र. 4 इकाई एक, दो और तीन से चार लघुत्तरी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे । (4x4=16)
प्रश्न क्र. 5) संपूर्ण पाठ्यक्रम से (वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी) 16 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक होगा । (1 x 16 = 16 अंक)

आतंरिक मूल्यांकन :- कुल अंक 20

I. समाचार पत्रों में प्रकाशित विज्ञापनों का संकलन - 05 अंक

II. केन्द्र तथा राज्य शासन के द्वारा प्रकाशित विज्ञापनों का संकलन - 05 अंक

III. बैंक व्यवसायिक या किसी सरकारी कर्मचारी से साक्षात्कार -10 अंक

बी.ए.द्वितीय वर्ष- तृतीय तथा चतुर्थ सत्र (प्रयोजनमूलक हिन्दी)

- **संदर्भ ग्रंथ सूची -:**

1. हिन्दी के प्रयोजनमूलक भाषा रूपड -.डॉ सोनटक्के माधव .
2. अनुप्रायोगिक हिन्दी- डॉ गोस्वामी कुमार कृष्ण.
3. व्यावहारिक हिन्दी और रचना- डॉगोस्वामी कुमार कृष्ण.
4. राजभाषा हिन्दी- कैलाशचंद भाटिया
5. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी.डॉ.सिंहल ओमप्रकाश .
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ गोदरे विनोद .
7. हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद- डॉ रस्तोगी आलोक .
8. अनुवाद विज्ञान- डॉतिवारी भोलानाथ .
9. प्रयोजनमूलक भाषा- डॉगोदरे विनोद .
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध आयाम- डॉ.माधव सोनटक्के
11. राजभाषा हिन्दी और राजकीय पत्र व्यवहार- डॉ घनश्याम .
12. प्रयोजनात्मक और प्रयोजनमूलक हिन्दी- डॉ रामप्रकाश .
13. व्यावसायिक हिन्दी- डॉतिवारी भोलानाथ .
14. संक्षेपण और पल्लवन- डॉ भाटिया कैलाश .
15. अनुचिंतन प्रो.शंकर बुंदेले
16. अनुसृजन-प्रो.शंकर बुंदेले
17. प्रायोगिक अनुवाद विज्ञान- डॉ सराफ मनोहर .
18. अनुवाद भाषाएँ-ई.एन.विश्वनाथ
19. अनुवाद विज्ञान- डॉ पालीवाल रीतारानी .
20. प्रयोजनी हिन्दी स्वरूप और व्यापकता- गोपाल शर्मा

बी.ए. द्वितीय वर्ष (हिन्दी साहित्य)

तृतीय सत्र

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80
आंतरिक मूल्यांकन 20

नियोजित पाठ्यपुस्तक **'नटरंग'** राघव पब्लिशर्स ॲन्डडिस्ट्रीब्यूटर्स, नागपुर । यह पुस्तक अध्ययन तथा अध्यापन के लिए निर्धारित की गई है । संपूर्ण पाठ्यक्रम चार इकाईयों में विभाजित है ।

1) प्रथम इकाई -एकांकी संकलन 1 से 10 एकांकी

2) द्वितीय इकाई -हिन्दी साहित्य का इतिहास :-

I. **हिन्दी साहित्य अध्ययन की परंपरा**

II. **हिन्दी साहित्य का काल विभाजन**

III. **आदिकाल** :- समय सीमा, नामकरण और प्रवृत्तियाँ (इन सभी का सामान्य परिचय)

3) तृतीय इकाई :-साहित्यकारों का परिचय

I. आचार्य रामचंद्र शुक्ल (आलोचक)

II. प्रेमचंद (कथाकार)

III. रामधारी सिंह 'दिनकर' (कवि)

IV. डॉ.शंकर शेष (नाटककार)

V. कृष्ण सोबती (महिला लेखिका)

4) चतुर्थ इकाई-साहित्य शास्त्र

I. छंद

II. अलंकार

III. काव्य हेतु

IV. काव्य प्रयोजन

अंक विभाजन एवं प्रश्नपत्र का स्वरूप (तृतीय सत्र)

समय 3 घंटे **पूर्णांक-80**

प्रश्न क्र. 1 अ) संदर्भ सहित व्याख्या (दो) प्रथम इकाई से । (2 x 8 = 16)

आ) दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो) प्रथम इकाई से । (2x 8 = 16)

प्रश्न क्र. 2 अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक) द्वितीय इकाई से । (1 x 8 = 8)

आ) लघुत्तरी प्रश्न (दो) द्वितीय इकाई से । (2x 4 = 8)

प्रश्न क्र. 3 अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक) तृतीय इकाई से । (1 x 8 = 8)

प्रश्न क्र. 4) अ) लघुत्तरी प्रश्न (दो) चतुर्थ इकाई से । (2x 4 = 8)

प्रश्न क्र. 5) संपूर्ण पाठ्यक्रम से (वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी) 16 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक होगा । (1 x 16 = 16 अंक)

सूचना :-

I. इकाई एक, दो, तीन एवं चार से सभी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

II. जिन एकांकियों से संदर्भ सहित व्याख्या पूछी गई हो उनसे दीर्घोत्तरी प्रश्न न पूछे जायें ।

आंतरिक मूल्यांकन :- कुल अंक 20

1) वृत्तपत्रों में प्रकाशित पांच लघुकथाओं का संकलन- 10 अंक

2) गृहपाठ -05 अंक

3) समूह चर्चा - 05 अंक

बी.ए. द्वितीय वर्ष (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ सत्र

कुल अंक 100
लिखित परीक्षा 80
आंतरिक मूल्यांकन 20

नियोजित पाठ्यपुस्तक **'काव्यदर्पण'** राघव पब्लिशर्स ॲन्डडिस्ट्रीब्यूटर्स, नागपुर । यह पुस्तक अध्ययन तथा अध्यापन के लिए निर्धारित की गई है । संपूर्ण पाठ्यक्रम चार इकाईयों में विभाजित है ।

१) प्रथम इकाई -काव्यदर्पण से 1 से 6 कवियों की प्रथम तीन कविताएँ

2) द्वितीय इकाई -हिन्दी साहित्य का इतिहास

I. भक्तिकाल:- उद्भव, विकास, प्रमुख धाराएँ और प्रवृत्तियाँ ।
(सामान्य परिचय)

II. रीतिकाल:- उद्भव, विकास, प्रमुख धाराएँ और प्रवृत्तियाँ ।
(सामान्य परिचय)

3) तृतीय इकाई -साहित्य शास्त्र

I. रस, अर्थ, परिभाषा और अंग

II. शब्द शक्ति

III. काव्य के लक्षण

IV. काव्य तत्त्व

अंक विभाजन एवं प्रश्नपत्र का स्वरूप (चतुर्थ सत्र)

समय 3 घंटे पूर्णांक-80

प्रश्न क्र. 1 अ) संदर्भ सहित व्याख्या (दो) प्रथम इकाई से । (2 x 8 = 16)

आ) दीर्घोत्तरी प्रश्न (दो) प्रथम इकाई से । (2x 8 = 16)

प्रश्न क्र. 2 अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक) द्वितीय इकाई से । (1 x 8 = 8)

आ) लघुत्तरी प्रश्न (दो) द्वितीय इकाई से । (2x 4 = 8)

प्रश्न क्र. 3अ) दीर्घोत्तरी प्रश्न (एक) तृतीय इकाई से । (1 x 8 = 8)

आ) लघुत्तरी प्रश्न (दो) तृतीय इकाई से । (2x 4 = 8)

प्रश्न क्र. 4) संपूर्ण पाठ्यक्रम से (वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी) 16 प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक प्रश्न के लिए एक अंक होगा । (1x16 =16 अंक)

सूचना :-

I. इकाई एक, दो एवं तीन से सभी प्रश्न विकल्प के साथ पूछे जायेंगे ।

II. जिन कवितओं से संदर्भ सहित व्याख्या पूछी जाये उनसे दीर्घोत्तरी प्रश्न न पूछे जायें ।

आतंरिक मूल्यांकन :- कुल अंक 20

I. निबंध परियोजना (कविता, उद्भव, विकास और प्रवृत्तियाँ)-10 अंक

II. वृत्तपत्रों में प्रकाशित पाँच लघुकथाओं का संकलन - 05 अंक

III. मराठी के भक्तकवियों की पाँच रचनाओं का संकलन - 05 अंक

बी.ए.द्वितीय वर्ष- तृतीय तथा चतुर्थ सत्र (हिन्दी साहित्य)

- संदर्भ ग्रंथ सूची -:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास शुक्ल रामचंद्र आचार्य -
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास -डॉ जैसवाल अमरप्रसाद.
3. हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ- जयकिसन प्रसाद
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास-डॉ. विजयपाल सिंह
5. हिन्दी भाषा स्वरूप और विकास- डॉ भाटिया कैलाशचंद्र.
6. हिन्दी उद्भव विकास और रूप- डॉ बाहरी हरदेव .
7. नाटक और रंगमंच की भूमिका -डॉ लाल लक्ष्मीनारायण.
8. हिन्दी नाटककार- डॉ. नलिन जयनाथ -
9. आलोचना के बदलते मानदंड और हिन्दी साहित्य डॉ. सिंह शिवचरण-
10. आधुनिक समीक्षा- डॉमिश्र स्वरूप भगवत.
11. हिन्दी नाटक रंग शिल्प दर्शन- डॉ गौतम विकल.
12. नयी समीक्षा के प्रतिमान- डॉ जैन निर्मला .
13. महाकवि जायसी और उनका काव्य- डॉ अहमद इकबाल .
14. कबीर एक अनुशीलन- डॉ वर्मा रामकुमार .
15. सूरदास और उनका काव्य- डॉ शर्मा मुंशीराम .
16. बिहारी काव्य का मूल्यांकन . डॉ किशोरीलाल
17. घनानंद और स्वछंद काव्यधारा .डॉ मनोहरलाल .
18. गोस्वामी तुलसीदास- आचार्य रामचंद्र शुक्ल
19. प्रेमचंद्र एक अध्ययन- डॉ गुरु राजेश्वर .
20. प्रसादोत्तर नाटक एवं लक्ष्मीनारायण मिश्र -डॉ गौतम विकल .
21. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत डॉ. झारी कृष्णदेव .